दृष्टि

- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रूप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्यमी, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहां से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगरको भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

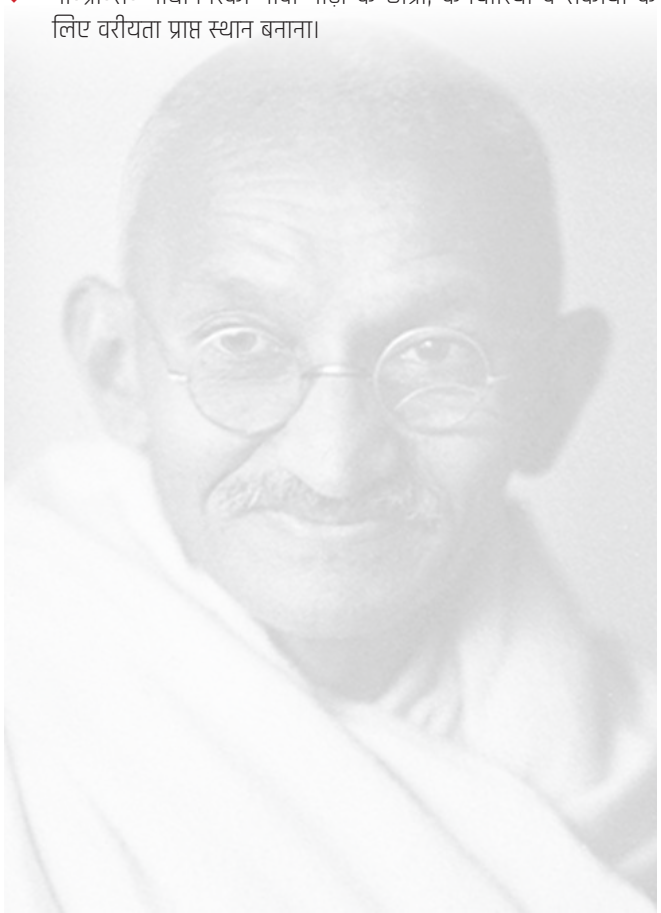

जहाँ मन भयमुक्त हो

जहाँ मन भय से मुक्त हो और मस्तक
सम्मान से ऊचा हो,

जहाँ ज्ञान का आदर हो और संसार
सांसारिक युक्तियों में न उलझा हो,

जहाँ सच का सम्मान हो और
नकारात्मक ख्यालो से दूर क्षितिज
पाने की आशा हो,

जहाँ भेड़चाल से दूर व्यक्तिविशेष की
निरंतर आगे बढ़ने की कर्मठता हो,

हे, परमेश्वर पिता, मेरी ऐसी मातृभूमि
को जगाओ !

~रवींद्रनाथ टैगोर

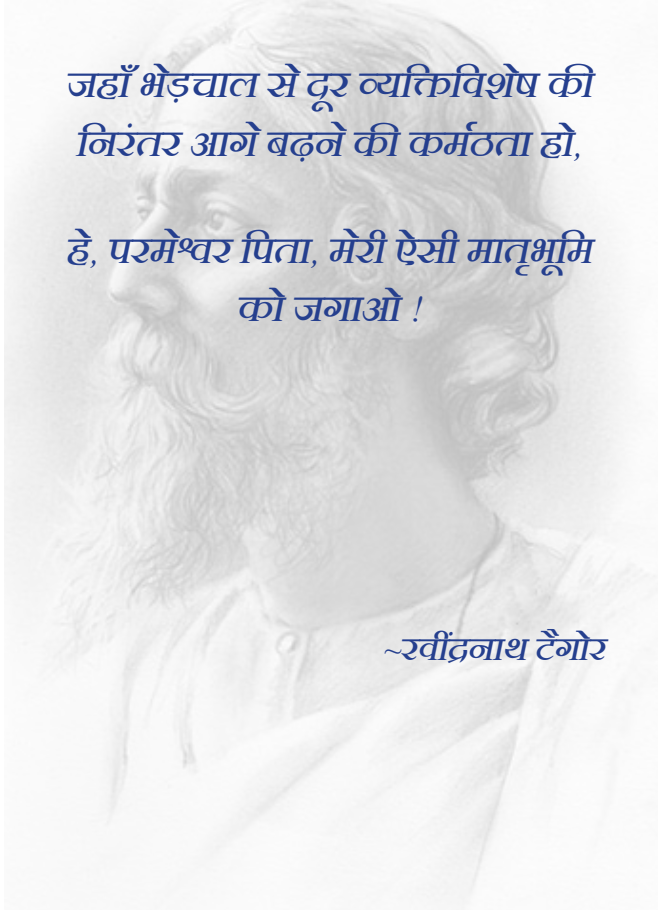

आईआईटी गांधीनगर

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर – 382 055, गुजरात

ध्येय

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रूप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्यमिओं के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जंदिगी को बेहतर बनाएगी।

मूल्य

- प्रतिभातंत्र
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता की प्रोत्साहन एवं सम्मान
- नए विचारों का स्वागत एवं गलती करने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

लक्ष्य

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक अनुसंधान के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

मूल विशेषताएं

- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरुप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- अनुसंधान परिवेश
- संकाय सदस्यों एवं छात्रों की प्रकृति:
  - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
  - छात्रों का चयन पूर्णत: योग्यता के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं- प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए उदार निधिकरण।
- प्रशासन- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
  - निदेशक को शैक्षणिक, प्रशासनिक व वित्तीय मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार (ढांचागत) प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसर:
  - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
  - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
  - सतत शैक्षणिक का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।